



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ जून २०२४	१२-७-२५	३	५-७

कम कृषि लागत वाली मशीनरी विकसित करें विज्ञानी

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की तरफ से संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अधिकारी शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डा. सजबीर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे

मशीनरी-उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार पर जोर दिया ताकि खेती-बाड़ी के कार्यांकों को आसान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने पर भी जोर दिया।

किसानों की आवश्यकताओं व समाधानों पर डाला प्रकाश
 अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने क्षेत्रीय कृषि समस्याओं, अनुसंधान प्रयोगों, तकनीकी नवाचारों एवं किसानों की आवश्यकताओं पर केंद्रित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ऐसी तकनीकों का विकास करें जो स्थानीय किसानों की आवश्यकताओं को स्टीक रूप से पूरा कर सके। विकसित की गई तकनीक का मैदानी स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन किया जाना चाहिए ताकि उनकी प्रायोगिक उपयोगिता प्रमाणित हो सके। उन्होंने लघु एवं

सीमांत किसानों की आवश्यकताओं को महेनजर रखते हुए इंटर कल्पर आपरेशन के लिए बैटरी चालित, बहु-उपयोगी छोटे कृषि यंत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। डा. गर्ग ने फसल अवशेष प्रबंधन के दृष्टिगत पराली जलाने की समस्या को दूर करने के लिए यांत्रिक समाधानों जैसे हैपी सीडर, सुपर सीडर, सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम आदि के प्रभाव उनकी उपयोगिता तथा किसानों के बीच जागरूकता लाने के लिए कहा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभापति	१३.७.२५	५	१-३

वैज्ञानिक ऐसी मशीनरी/उपकरण विकसित करें जिससे कृषि लागत को कम किया जा सके : प्रो. काम्बोज

हिसार, 11 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे मशीनरी/उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में इमहत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अन्नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार पर जोर दिया ताकि खेती-

बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने पर भी जोर दिया। कुलपति ने कहा कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कृषि दक्षता में सुधार करना तथा मशीनरी एवं विद्युत संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। अनुसंधान

आवश्यकताओं को महेनजर रखते हुए इंटर कल्चर ऑपरेशन के लिए बैटरी चालित, बहु-उपयोगी छोटे कृषि यंत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जारी। डॉ. गर्ग ने फसल अवशेष प्रबंधन के दृष्टिगत पराली जलाने की समस्या को दूर करने के लिए यांत्रिक समाधानों जैसे हैपी सीडर, सुपर सीडर, सुपर स्ट्रा

हृकृषि के फार्म मशीनरी व पावर इंजीनियरिंग विभाग की बैठक आयोजित

मैनेजमेंट सिस्टम आदि के प्रभाव उनकी उपयोगिता तथा किसानों के बीच

निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने क्षेत्रीय कृषि समस्याओं, अनुसंधान प्रयासों, तकनीकी नवाचारों एवं किसानों की आवश्यकताओं पर केंद्रित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ऐसी तकनीकों का विकास करें जो स्थानीय किसानों की आवश्यकताओं को स्टीक रूप से पूरा कर सके। विकसित की गई तकनीक का ऐदानी स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन किया जाना चाहिए ताकि उनकी प्रायोगिक उपयोगिता प्रमाणित हो सके। उन्होंने लघु एवं सीमांत किसानों की

जागरूकता लाने के लिए कहा। बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2024-2025 में किए गए अनुसंधान कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर कृषि अधियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अनुभाग प्रमुख तथा संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सभी	१२-७-२५	५	७-४

**वैज्ञानिक ऐसी मर्शीनरी/उपकरण विकसित करें जिससे
कृषि लागत को कम किया जा सके : प्रो. कामबोज
हृषि के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की बैठक आयोजित**

हिसार, 11 जुलाई (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बी.आर. कामबोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कुलपति प्रो. बी.आर. कामबोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे मशीनरी/उपकरण विकसित करने चाहिए, जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टैक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार पर जोर दिया ताकि खेती-बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने पर भी जोर दिया। कुलपति ने कहा कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कृषि दक्षता में सुधार करना तथा मशीनरी एवं विद्युत संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्यास	१२-७-२५	२	, १-२

वैज्ञानिक कृषि की लागत कम करने वाले उपकरण विकसित करें : प्रो. कांबोज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की ओर से संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए बैठक हुई।

बैठक में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने अतिथि शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति ने कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके।

विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार करने पर जोर दिया ताकि खेती-बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके।

उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने और लागत कम करने पर भी जोर दिया। टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना व मशीनरी एवं विद्युत संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना जरूरी है। व्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	11.7.2025	--	--

वैज्ञानिक ऐसे उपकरण विकसित करें जिससे कृषि लागत को कम किया जा सके: प्रो. काम्बोज

नम-छोर न्यूज ॥ 11 जुलाई 2025
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा संचालित तकनीकी कार्यक्रम की गत वर्ष 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतार मुख्य अतिथि शिरकत की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे मशीनरी/उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है ताकि प्रदेश एवं देश की कृषि समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सके। उन्होंने

आधुनिक तकनीकों के माध्यम से नवीनतम टैक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उपकरण तैयार करने पर जोर दिया ताकि खेती-बाड़ी के कार्यों को आसान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने पर भी जोर दिया। कुलपति ने कहा कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कृषि दक्षता में सुधार करना तथा मशीनरी एवं विद्युत संसाधनों का जिम्मेदारी से उपयोग सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने क्षेत्रीय कृषि समस्याओं, अनुसंधान प्रयासों, तकनीकी नवाचारों एवं किसानों की आवश्यकताओं पर केंद्रित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक ऐसी तकनीकों का विकास करें जो स्थानीय किसानों की आवश्यकताओं को सटीक रूप से पूरा कर सकें। विकसित की गई तकनीक का मैदानी स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन किया जाना चाहिए ताकि उनकी

प्रायोगिक उपयोगिता प्रमाणित हो सके। उन्होंने लघु एवं सीमांत किसानों की आवश्यकताओं को मदेनजर रखते हुए इंटर कल्चर ऑपरेशन के लिए बैटरी चालित, बहु-उपयोगी छोटे कृषि यंत्रों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। डॉ. गर्ग ने फसल अवशेष प्रबंधन के दृष्टिगत पराली जलाने की समस्या को दूर करने के लिए यांत्रिक समाधानों जैसे हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम आदि के प्रभाव उनकी उपयोगिता तथा किसानों के बीच जागरूकता लाने के लिए कहा। बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2024-2025 में किए गए अनुसंधान कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के समाप्त अवसर पर कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	12.7.2025	--	--

वैज्ञानिक ऐसी मशीनरी/उपकरण विकसित करें जिससे कृषि लागत को कम किया जा सके : प्रो. बी.आर. काम्बोज हक्कि के फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग की बैठक आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 12 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के पदानं मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सन्दर्भित तकनीकी कारबूझ की गत कार्य 2024-25 की समीक्षा एवं वर्ष 2025-26 की स्पर्धेया तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृष्णपति ग्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतार मुख्य अतिथि शिक्षक की जबकि अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गग्न ने कारबूझ की अवधिकता की।

कृष्णपति ग्रो. बी.आर. काम्बोज

ने आपने सम्बोधन में कहा कि वैज्ञानिकों को ऐसे मशीनरी/उपकरण विकसित करने चाहिए जिससे किसानों की कृषि लागत को कम किया जा सके। विश्वविद्यालय का अनुसंधान तंत्र निःसामानी की आवश्यकताओं के अनुकूल कार्य कर सकता है ताकि प्रटीश एवं टेस वर्ष कृषि मूल्दि में महत्वपूर्ण वैश्वान दिया जा सके। उन्होंने आवृत्तिक नकारों के माध्यम से नवीनतम टैक्नोलॉजी पर आधारित कृषि उत्पादन तैयार पर जोर दिया ताकि खेती-बाजी के कारण को आमदान बनाया जा सके। उन्होंने कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा लागत कम करने

पर भी ओर दिया। कृष्णपति ने कहा कि टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कृषि दृष्टि में सुधार करना तथा मशीनरी एवं विद्युत ममाधनों का जिम्मेदारी से उत्पादन मूल्यविक्षित करना बहुत जल्दी है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गग्न ने ध्वनिक कृषि समश्योजी, अनुसंधान प्रयोगी, तकनीकी निवाचारी एवं किसानों की आवश्यकताओं पर केंद्रित समाधनों पर विस्तार में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी का विकास करें जो मध्यनीय किसानों की आवश्यकताओं को स्लीक रूप से पूरा

कर सके। विकसित की गई तकनीक का पैदानी स्तर पर प्रभावी प्रदर्शन किए जाना चाहिए ताकि इनकी प्राविद्यालीक उत्पादिता प्रमाणित हो सके। उन्होंने लघु एवं सीमित विकासनों की आवश्यकताओं को महेनजर रखते हुए इंटर कल्चर अधिकार ने लिए बैठकी चाहिए, बहु-उपयोगी खेतों कृषि योगों के विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। डॉ. गग्न ने फसल अवश्यक प्रबोधन के दृष्टिकोण से फसली जलने की समस्या को दृष्ट करने के लिए यांत्रिक समाधनों त्रैस हैप्पी गोट, मुख्यसौर, मुख्य स्ट्रा मैनेजमेंट मिस्टम आदि के प्रभाव

उनकी उपयोगिता तथा किसानों के बीच जागरूकता लाने के लिए कहा। बैठक के दौरान वैज्ञानिकों द्वारा वर्ष 2024-2025 में किए गए अनुसंधान कार्यों की विस्तृत विपरीत प्रस्तुत की गई। सार्वजनिक के सम्बन्ध में अवमर पर कृषि अभियांत्रिकी पर प्रशासिती महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एस के पाहजा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। उम अवमर पर सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, अधिकारी विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अनुभाग प्रमुख तथा सर्वोच्च अधिकारी विशेषज्ञ उपसंचालक गए।

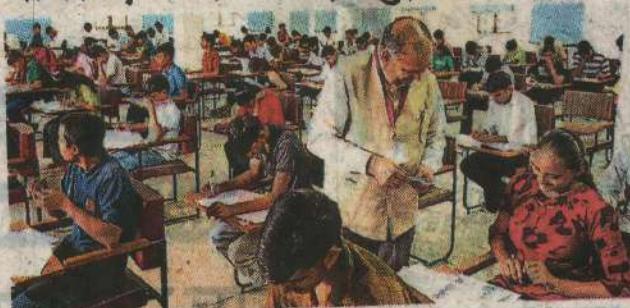


चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समात्सार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२५ नवंबर २०१२	१३-७-२५	३	७-४

हकूमिये के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा हुई संपन्न



भारतनगर हिसार

हकूमिये में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एसीक्लचर डी.वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुक्का प्रबंध किए गए थे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल

आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिहोंने सभी केन्द्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4119 विद्यार्थियों ने ॲनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केन्द्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपरिस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी जानकारियों के लिए वेबसाइट admissions.hau.ac.in व hau.ac.in पर चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभूत उजाला	१३.७.२५	५	१-५

एचएयू में दाखिले के लिए दूसरे चरण में 3,501 ने दी परीक्षा

85% रही उपस्थिति, कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने किया केंद्रों का दौरा

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शनिवार को शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एप्रीकल्चर छह वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए 3501 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। करीब 85 प्रतिशत विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 केंद्र बनाए गए थे।

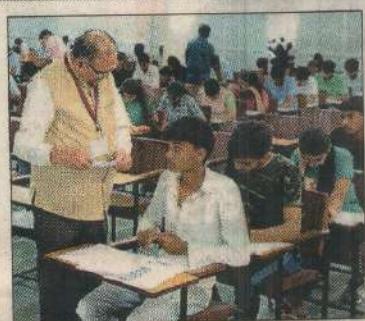
परीक्षा के सफल आयोजन केलिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होंने सभी केंद्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।

कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त



एचएयू के होम साइंस कॉलेज से परीक्षा देकर बाहर आते विद्यार्थी। संवाद

पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट admissions.hau.ac.in and hau.ac.in पर चेक करते रहें।



परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। ज्ञात: संवाद



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सभी	१३.७.२५	५	५-६

हकृति के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए।

85 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

हिसार, 12 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। यह परीक्षा बी.एफ.एस.सी. चार वर्षीय कोर्स, बी.एस.सी.एग्रीकल्चर छ: वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधावाली के सुचारू संचालन

के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होनें सभी केन्द्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।

कुलपति एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केन्द्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

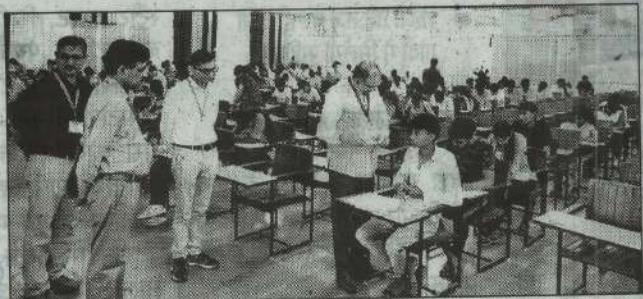
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरभूमि	१३.७.२५	११	३-५

4119 ने ऑनलाइन किया था आवेदन, ३५०१ ने दी परीक्षा

- हृषि में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न
- विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे

हरिमूर्ग व्यूज >> हिसार

हिसारहरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छह वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्प्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता



प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कामोज ने शनिवार को परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज्ञा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होंने सभी केंद्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अग्रीत समाचार	१३.७.२५	५	३५

हृकृति के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक सम्पन्न

हिसार,
12 जुलाई
(विरेन्द्र
वर्मा):
चौधरी चरण
संहि
हरियाणा
कृषि
विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज परीक्षा
में दूसरे चरण केंद्र का निरीक्षण करते हुए।



परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छ: वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुन्दरस्थित हाँ से संपन्न करवाने के लिए पुरखा प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के

कुलपति प्रो. दैरान प्रत्येक उम्मीदवार की बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दैरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के

लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिहेनें सभी केन्द्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के

सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट डूसरद्दूसरी हाँ शुभ्रहा. छ. छुह. छु. छु छुल छुह. छु. छु छु पर अवश्य चेक करते रहें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

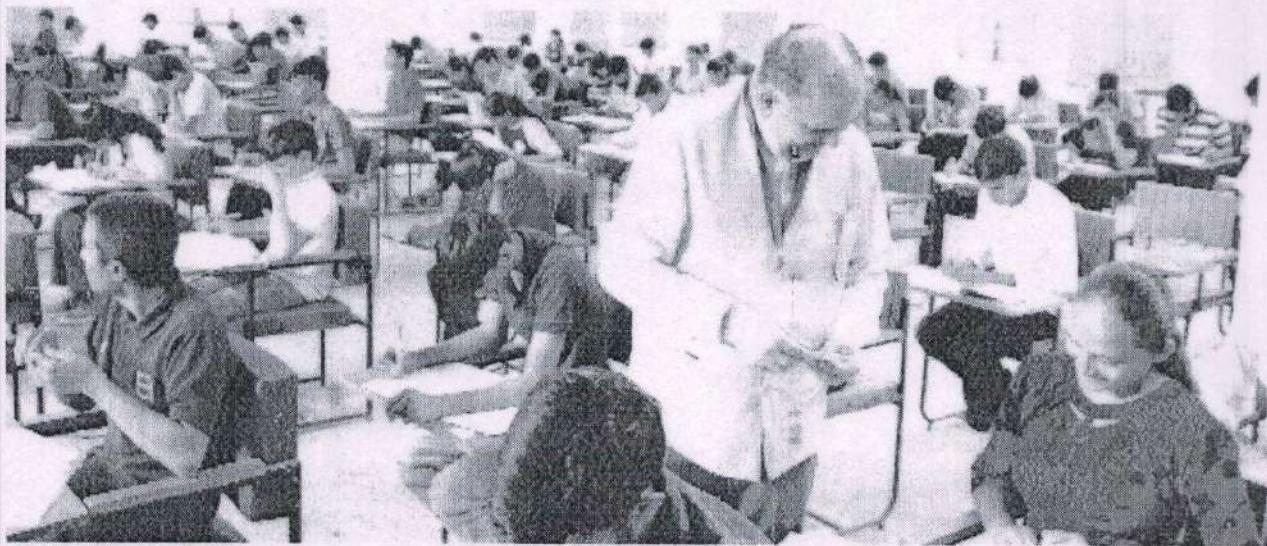
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	12.7.2025	--	--

हकृति के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छः वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी।

विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया। इस परीक्षा के लिए

विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केंद्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।



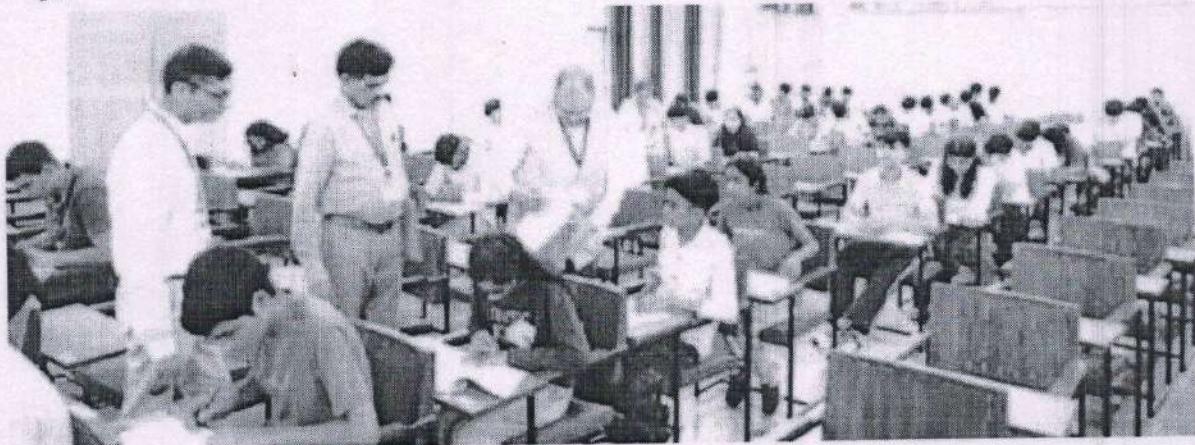
एचएयू में प्रवेश परीक्षा के दौरान केंद्र में उपस्थित विद्यार्थी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	12.7.2025	--	--

हकूमि के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न



समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। यह परीक्षा बीएफएससी चार वर्षीय कोर्स, बीएससी एग्रीकल्चर छन्द वर्षीय कोर्स व बीएससी कम्युनिटी साइंस चार वर्षीय कोर्स में दाखिले के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय की ओर से परीक्षा को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा करते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा व परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायज़ा लिया। इस परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय सहित हिसार शहर में 10 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। परीक्षा

के सफल आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का भी गठन किया गया था, जिन्होंने सभी केन्द्रों पर जाकर निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान प्रत्येक उम्मीदवार की फोटोग्राफी भी की गई। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 4119 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। सभी परीक्षा केन्द्रों में कुल 3501 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा में परीक्षार्थियों की 85 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिला संबंधी नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अवश्य चेक करते रहें।